आज का मौसम
कुछ आसमान में बादल छाए रहेंगे। आधी रात के बाद आंशिक रूप में बादल छाए रहेंगे। हवा हल्की और परिवर्तनशील।

22 अधिकतम तापमान | 10 न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.52 | सूर्यास्त 05.21

दैनिक
स्वतंत्र निवेश

TITLE code- UPHIN/50990

सच की आवाज

• वर्ष : 01 अंक 235 • कानपुर से प्रकाशित • 26 जनवरी, 2024 शुक्रवार • पृष्ठ : 8 मूल्य : 3.00 रुपया/- • E-mail: swatantranivesh@gmail.com

सरसों की फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

संवाददाता कानपुर

कानपुर,दैनिक स्वतंत्र निवेश। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रद्यौगिकी विश्वविधालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा जलवायु अनुकूल कृषि पर राष्ट्रीय पहल परियोजना के अंतर्गत एक दिवसीय ग्राम औरंगाबाद में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रसार वैज्ञानिक डा. राजेश राय ने सरसों प्रक्षेत्र दिवस के बारे में बताते हुए कहा फसल विविधिकरण, जैविक खेती आदि विषयों पर चर्चा करते हुए कृषकों को बताया कि सरसों, कुसुम, अलसी आदि तिलहनी फसलों का समावेश कर खेती करनी चाहिए। सरसों की फसल में कम लगाम में अधिक आय कमाने की प्रबल संभावना रहती है। वैज्ञानिक डा. अरूण कुमार ने परियोजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जिन जनपदों में जलवायु संबंधित समस्या होती है। उन्ही जनपदों का चयन इस परियोजना के अंतर्गत किया जाता है। बताया की इस परियोजना का उद्देश्य जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकों को बढावा देना है। तत्पश्चात खेतों पर जाकर सरसों फसल को भी कृषकों द्वारा देखा गया, जहां कृषकों ने प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर पशुपालन वैज्ञानिक डा. शशिकांत, शुभम यादव,चरण सिंह सहित अन्य कृषक उपस्थित रहे।

केवीके दिलीप नगर में सरसों फसल पर प्रक्षेत्र दिवस

डीटीएनएन | कानपुर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा जलवायु अनुकूल कृषि पर राष्ट्रीय पहल (निक्रा) परियोजना अंतर्गत एक दिवसीय ग्राम औरंगाबाद में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रसार वैज्ञानिक डॉक्टर राजेश राय ने सरसों प्रक्षेत्र दिवस की महत्ता बताते हुए फसल विविधिकरण, जैविक खेती आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कृषकों को बताया कि सरसों, कुसुम, अलसी इत्यादि तिलहनी फसलों का समावेश कर खेती करनी चाहिए। उन्होंने कृषकों से कहा कि सरसों की फसल में कम लागत में अधिक आय कमाने की प्रबल संभावना रहती है।खेती को लाभदायक बनाने के लिए खेती के साथ-साथ उद्यानकीय फसलों का समावेश, खेती से जुड़े हुए व्यवसाय, मूल्य संवर्धन एवं खेती की लागत को कम करने के लिए विभिन्न उपायों पर भी उन्होंने चर्चा की। इस अवसर पर उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने निक्रा परियोजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।उन्होंने बताया कि जिन जनपदों में जलवायु संबंधी समस्या होती है उन्हीं जनपदों का चयन इस परियोजना अंतर्गत किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य जलवायु अनुकूल कृषि तकनीको को बढ़ावा देना है।तत्पश्चात खेतों पर जाकर सरसों फसल को भी कृषकों द्वारा देखा गया। जहां कृषकों ने प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, शुभम यादव,चरण सिंह सहित अन्य कृषक उपस्थित रहे।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD

खबर एक्सप्रेस

गुरुवार

25 जनवरी, 2024

अंक - 165

केवीके दिलीप नगर ने सरसों फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का किया आयोजन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा जलवायु अनुकूल कृषि पर राष्ट्रीय पहल (निक्रा) परियोजना अंतर्गत एक दिवसीय ग्राम औरंगाबाद में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रसार वैज्ञानिक डॉक्टर राजेश राय ने सरसों प्रक्षेत्र दिवस की महत्ता बताते हुए फसल विविधिकरण, जैविक खेती आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कृषकों को बताया कि सरसों, कुसुम, अलसी इत्यादि तिलहनी फसलों का समावेश कर खेती करनी चाहिए। उन्होंने कृषकों से कहा कि सरसों की फसल में कम लागत में अधिक आय कमाने की प्रबल संभावना रहती है।खेती को लाभदायक बनाने के लिए खेती के साथ-साथ उद्यानकीय फसलों का समावेश, खेती से जुड़े हुए व्यवसाय, मूल्य संवर्धन एवं खेती की लागत को कम करने के लिए विभिन्न उपायों पर भी उन्होंने चर्चा की। इस अवसर पर उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने निक्रा परियोजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।उन्होंने बताया कि जिन जनपदों में जलवायु संबंधी समस्या होती है उन्हीं जनपदों का चयन इस परियोजना अंतर्गत किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य जलवायु अनुकूल कृषि तकनीको को बढ़ावा देना है।तत्पश्चात खेतों पर जाकर सरसों फसल को भी कृषकों द्वारा देखा गया। जहां कृषकों ने प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, शुभम यादव,चरण सिंह सहित अन्य कृषक उपस्थित रहे।

सत्य का असर समाचार पत्र

26,01,2024 jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल नंबर 9956834016

पेज 8

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल कानपुर मोबाइल नंबर 99568340 16

केवीके दिलीप नगर ने सरसों फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का किया आयोजन

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल कानपुर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा जलवायु अनुकूल कृषि पर राष्ट्रीय पहल (निक्रा) परियोजना अंतर्गत एक दिवसीय ग्राम औरंगाबाद में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रसार वैज्ञानिक डॉक्टर राजेश राय ने सरसों प्रक्षेत्र दिवस की महत्ता बताते हुए फसल विविधिकरण, जैविक खेती आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कृषकों को बताया कि सरसों, कुसुम, अलसी इत्यादि तिलहनी फसलों का समावेश कर खेती करनी चाहिए। उन्होंने कृषकों से कहा कि सरसों की फसल में कम लागत में अधिक आय कमाने की प्रबल संभावना रहती है।खेती को लाभदायक बनाने के लिए खेती के साथ-साथ उद्यानकीय फसलों का समावेश, खेती से जुड़े हुए व्यवसाय, मूल्य संवर्धन एवं खेती की लागत को कम करने के लिए विभिन्न उपायों पर भी उन्होंने चर्चा की। इस अवसर पर उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने निक्रा परियोजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।उन्होंने बताया कि जिन जनपदों में जलवायु संबंधी समस्या होती है उन्हीं जनपदों का चयन इस परियोजना अंतर्गत किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य जलवायु अनुकूल कृषि तकनीको को बढ़ावा देना है।तत्पश्चात खेतों पर जाकर सरसों फसल को भी कृषकों द्वारा देखा गया। जहां कृषकों ने प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत, शुभम यादव,चरण सिंह सहित अन्य कृषक उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

R.N.I.No.UPHIN/2014/57802

भोलेनाथ टाइम्स

वर्ष : 10 अंक : 236
लखनऊ, शुक्रवार
26 जनवरी 2024
मूल्य : 2 रुपया
पृष्ठ : 06

Email: bholenaththimes@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

भक्तों पर हमेशा बनी रहती है भोलेनाथ की कृपा

अंदर के पृष्ठों पर-पेज-2-एसपी ने किया 26 जनवरी गणतंत्र दिवस परेड की फुल ड्रेस रिहर्सल परेड का निरीक्षण, 3-औद्योगिक विकास के साथ सांस्कृतिक धरोहर भी सहेज रहा है यूपी : नंदी

संक्षिप्त समाचार | देश के नाम राष्ट्रपति का संबोधन | बिहार में अटकलों के बीच जदयू-राजद का बयान

सरसों की फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

कानपुर नगर(बीएनटी संवाददाता)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौधोगिकी विश्वविधालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा जलवायु अनुकू कृषि पर राष्ट्रीय पहल परियोजना के अंतर्गत एक दिवसयी ग्राम औरंगाबाद में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रसार वैज्ञानिक डा0 राजेश राय ने सरसों प्रक्षेत्र दिवस की मळतत बताते हुए फसल विविधिकरण, जैविक खेती आदि विषयों पर चर्चा करते हुए कृषकों को बताया कि सरसों, कुसुम, अलसी आदि तिलहनी फसलों का समावेश कर खेती करनी चाहिये। सरसों की फसल में कम लागम में अधिक आय कमाने की प्रबल संभावना रहती है। वैज्ञानिक डा0 अरूण कुमार ने निक्रा परियोजना के उददेश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जिन जनपदों में जलवायु संम्बघी समस्या होती ळै उन्ही जनपदों का चयन इस परियोजना के अंतर्गत किया जाता है। बतायाि कइस पिरयोजना का उददेश्या जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकों को बढावा देना है। तत्पश्चात् खेतों पर जाकर सरसों फसल को भी कृषकों द्वारा देखा गयाए जहां कृषकों ने प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर पशुपालन वैज्ञानिक डा0 शशिकांत, शुभम यादव, चरण सिंह सहित अन्य कृषक उपस्थित रहे।